अहिल्या बाई के कुशल प्रशासन का प्रतिफल है इंदौर - डॉ. अमिता जोशी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी एवम मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया । वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हंसा व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताते हुए उनके जीवन वृत्त के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया । प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी ने अपने वक्तव्य में अहिल्याबाई के लोक प्रशासक रूप को रेखांकित करते हुए वर्तमान में इंदौर के विकसित स्वरूप को उनके कुशल प्रशासन का प्रतिफल कहा और उनकी नीतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने इतिहास से सीखने और समझने की प्रेरणा दी और राजमाता अहिल्याबाई को समर्थ एवम कुशल शासन का प्रतिरूप बताते हुए उनकी राजनैतिक नीतियों की प्रासंगिकता का निरूपण किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.जी. मिश्र ने अपने व्याख्यान में साहित्य एवम इतिहास का समन्वय दर्शाते हुए अहिल्या बाई के व्यक्तित्व से आत्मगौरव और राष्ट्रीयता की सीख लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया । कार्यक्रम में डॉ. एस के दिवाकर, डॉ. बी एल राय, डॉ. कल्पना विश्वास, डॉ. रूपा भावसार, डॉ. शोभा बिसेन, शोधार्थी देवांश बैरागी एवम अन्य प्राध्यापकों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे । आभार प्रदर्शन डॉ. के जी मिश्र एवं मंच संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया ।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Bhopal Narmda Bhoomi - 24 Oct 2024 - Page 1

संघ के सभी 6 डबललॉक केन्द्रो पर कृषको की सुविधा एवं समय की बचत हेतु ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था रखी गई है।

अनुसार कार्यक्रम में संबंधित

प्रस्तावित गतिविधियो के संबंध में

को समझाया गया।

लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विचार संगोष्ठी आयोजित

व्याख्यानः कुशल रणनीतिकार, योद्धा और जनसेवक, लोकमाता देवी अहिल्याबाई का अनुकरणीय व्यक्तित्व थाः प्रमोद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर महारानी होने के साथ साथ कुशल रणनीतिकार, योद्धा, संवेदनशील महिला और सच्ची जनसेवक थीं। उनका व्यक्तित्व अनुकरणीय है।

यह बात प्रज्ञा प्रवाह के विभाग संयोजक प्रमोद शर्मा ने बुधवार को बीटीआई स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर व्याख्यानमाला के तहत आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। श्री शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महारानी द्वारा जनहित में जानकारी किए गए वे आज भी याद किए जाते हैं। उनकी जनसेवा का क्षेत्र बहुत व्यापक था। उन्होंने जनता की सेवा के लिए राज्य की सीमाओं में नहीं बांधा। इसके विपरीत समूचे देश में जनहित के कार्य कराए। उन्होंने स्वयं को कभी शासक नहीं माना। उन्होंने महिलाओं, किसानों और जन सामान्य को सुविधा देने के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाएं चलाईं और कार्य किए। महिलाओं के उत्थान और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी उन्होंने क्रांतिकारी कार्य किए। कार्यक्रम का शुभारंभ माता अहिल्या बाई के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य एचजी दुबे, लखन दुबे, जेपी रघुवंशी, सांस्कृतिक प्रभारी मानस दुबे और शिक्षकगण उपस्थित थे।

लोक प्रशासक के रूप में इंदौर को विकसित कियाः जोशी

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हंसा व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताते हुए उनके जीवन वृत्त के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी ने अपने वक्तव्य में अहिल्याबाई के लोक प्रशासक रूप को रेखांकित करते हुए वर्तमान में इंदौर के विकसित स्वरूप को उनके कुशल प्रशासन का प्रतिफल कहा और उनकी नीतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. एस के दिवाकर, डॉ. बी एल राय, डॉ. कल्पना विश्वास, डॉ. रूपा भावसार, डॉ. शोभा बिसेन, शोधार्थी देवांश बैरागी एवम अन्य प्राध्यापकों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. के जी मिश्र एवं मंच संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया।

अहिल्या बाई के कुशल प्रशासन का प्रतिफल है इंदौर : डॉ. अमिता जोशी

नर्मदापुरम। राज न्यूज नेटवर्क। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी एवम मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया । वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हंसा व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताते हुए उनके जीवन वृत्त के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया । प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी ने अपने वक्तव्य में अहिल्याबाई के लोक प्रशासक रूप को रेखांकित करते हुए वर्तमान में इंदौर के विकसित स्वरूप को उनके कुशल प्रशासन का प्रतिफल कहा और उनकी नीतियों के महत्व पर प्रकाश डाला । मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने इतिहास से सीखने और समझने की प्रेरणा दी और राजमाता अहिल्याबाई को समर्थ एवम कुशल शासन का प्रतिरूप बताते हुए उनकी राजनैतिक नीतियों की प्रासंगिकता का निरूपण किया । कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.जी. मिश्र ने अपने व्याख्यान में साहित्य एवम इतिहास का समन्वय दर्शाते हुए अहिल्या बाई के व्यक्तित्व से आत्मगौरव और राष्ट्रीयता की सीख लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया । कार्यक्रम में डॉ. एस के दिवाकर, डॉ. बी एल राय, डॉ. कल्पना विश्वास, डॉ. रूपा भावसार, डॉ. शोभा बिसेन, शोधार्थी देवांश बैरागी एवम अन्य प्राध्यापकों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे । आभार प्रदर्शन डॉ. के जी मिश्र एवं मंच संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया ।

दैनिक भास्कर नर्मदापुरम भास्कर 24-10-2024

लोकमाता अहिल्याबाई पर विचार संगोष्ठी आयोजित की

भास्कर संवाददाता | नर्मदापुरम

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी एवं मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हंसा व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताते हुए उनके जीवन वृत्त के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी, मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. केजी मिश्र ने साहित्य एवं इतिहास का समन्वय दर्शाते हुए अहिल्या बाई के व्यक्तित्व से आत्मगौरव और राष्ट्रीयता की सीख लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम में डॉ. एस के दिवाकर, डॉ. बीएल राय, डॉ. कल्पना विश्वास, डॉ. रूपा भावसार, डॉ. शोभा बिसेन, शोधार्थी देवांश बैरागी सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. केजी मिश्र एवं मंच संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया।

अहिल्या बाई के कुशल प्रशासन का प्रतिफल है इंदौरः डॉ.अमिता जोशी

स्वतंत्र इंडिया,नर्मदापुरम।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी एवम मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हंसा व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताते हुए उनके जीवन वृत्त के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. अमिता जोशी ने अपने वक्तव्य में अहिल्याबाई के लोक प्रशासक रूप को रेखांकित करते हुए वर्तमान में इंदौर के विकसित स्वरूप को उनके कुशल प्रशासन का प्रतिफल कहा और उनकी नीतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू मेहर ने इतिहास से सीखने और समझने की प्रेरणा दी और राजमाता अहिल्याबाई को समर्थ एवम कुशल शासन का प्रतिरूप बताते हुए उनकी राजनैतिक नीतियों की प्रासंगिकता का निरूपण किया। कार्यक्रम डॉ.एस के दिवाकर, डॉ. बएल राय, डॉ. कल्पना विश्वास, डॉ. रूपा भावसार, डॉ. शोभा बिसेन, शोधार्थी देवांश बैरागी एवम अन्य प्राध्यापकों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया।